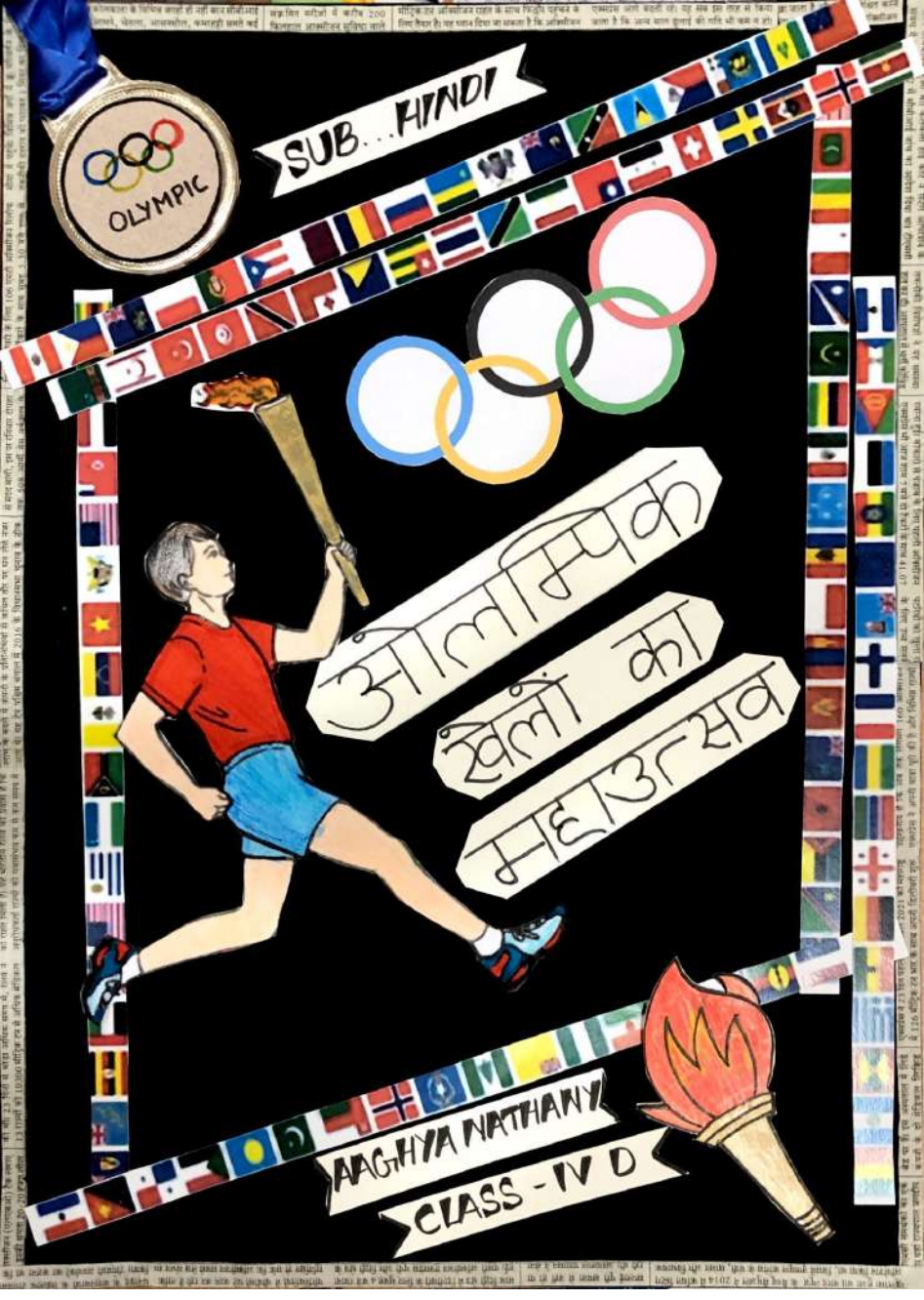

Scanned with CamScanner

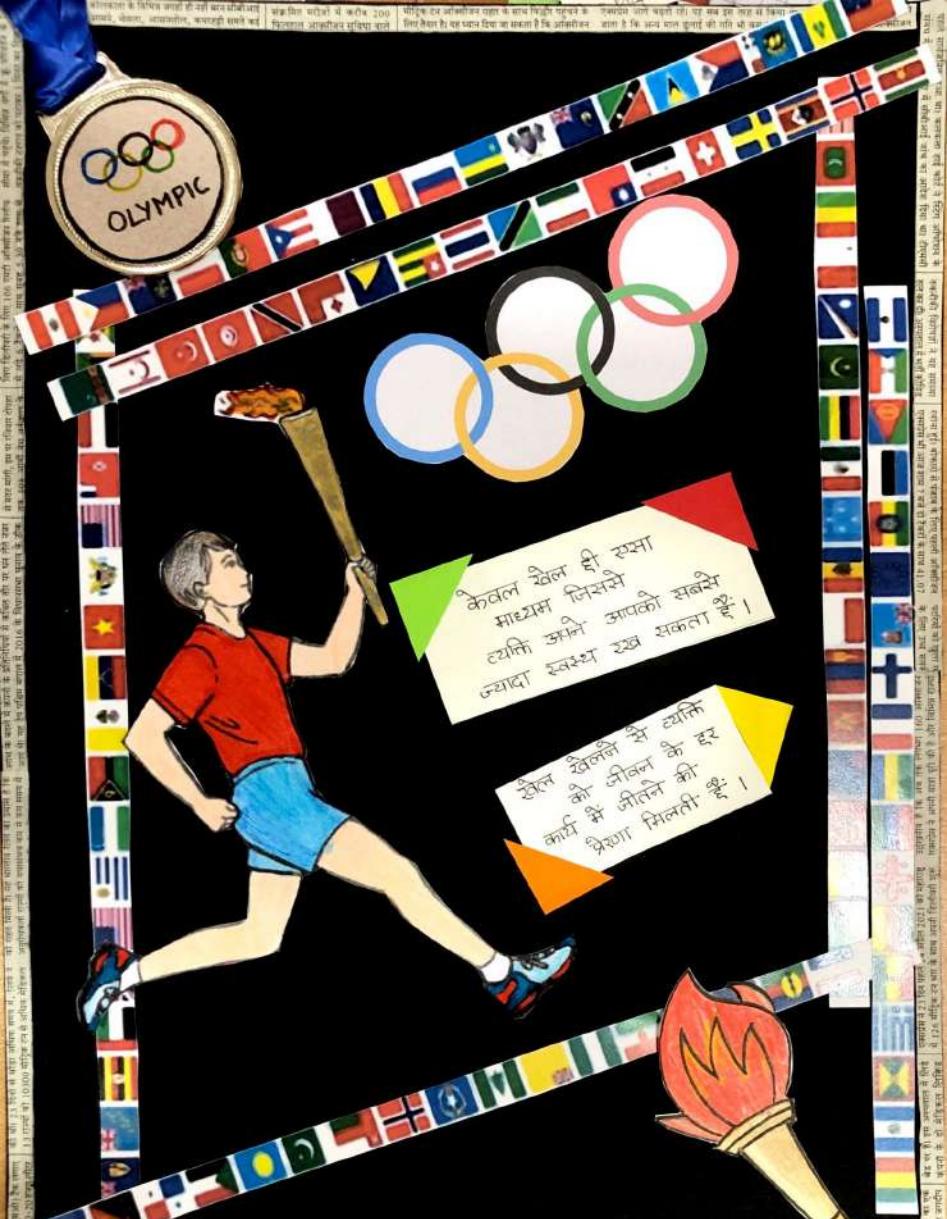

Scanned with CamScanner

ओलंपिक में आयोजित होने वाले कुल बारह खेल ....

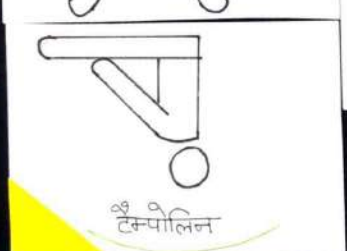

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

साइखोम मीराबाई चानू

साइखोम मीराबाई चानू

साइखोम मीराबाई चानू का जन्म 8 अगस्त 1994 को भारत के एक उत्तर पूर्वी मणिपुर की राजधानी इम्फाल में हुई थी। इनकी माता का नाम साइकोहं ओंगबी तोम्बी लीमा है जो पेशे से एक दुकानदार हैं वहीं इनके पिता का नाम साइकोहं कृति मैतेई है जो PWD डिपार्टमेंट में नौकरी करते हैं। चानू ने 2014 राष्ट्रमण्डल खेल में 48 किग्रा श्रेणी में रजत पदक जीता तथा गोल्ड कोस्ट में हुए 2018 संस्करण में विश्व कीर्तिमान के साथ स्वर्ण पदक जीता।

चानू ने 24 जुलाई 2021 को ओलम्पिक में 49 किग्रा भारोत्तोलन में भारत के लिए पहला पदक जीता। उन्होंने स्नैच में 87 kg भार उठाते हुए, क्लीन एंड जर्क में 115 kg सहित कुल 202 किलोग्राम वजन उठा कर रजत पदक दिलाकर पदक तालिका में खाता खोला। चानू ने राष्ट्रमंडल खेलों में स्वयं के 196 kg रिकॉर्ड को तोड़कर नया कीर्तिमान 202 kg स्थापित किया। इन्हें 2018 में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा गाँधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। टोक्यो ओलंपिक 2021 में स्वर्ण पदक जीतने पर मणिपुर सरकार ने 1 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि एवं सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है।

Scanned with CamScanner

पी॰टी॰ उषा

पी॰टी॰ उषा

पी॰टी॰ उषा का जन्म केरल के कोज़िकोड जिले के पय्योली ग्राम में हुआ था।
१९७६ में केरल राज्य सरकार ने महिलाओं के लिए एक खेल विद्यालय
खोला और उषा को अपने जिले का प्रतिनिधि चुना गया।
१९७९ में उन्होंने राष्ट्रीय विद्यालय खेलों में भाग लिया, जहाँ ओ॰ऍम॰
नम्बियार का उनकी ओर ध्यानाकर्षित हुआ, वे अंत तक उनके प्रशिक्षक रहे।
१९८० के मास्को ओलम्पिक में उनकी शुरुआत कुछ खास नहीं रही।
पी॰टी॰ उषा के पिता का नाम ई पी एम् पैतल हैं, एवं माता का नाम
टी॰वी॰ लक्ष्मी हैं। पी टी उषा का बचपन में बहुत स्वास्थ्य खराब था,
लेकिन इन्होंने अपने प्राइमरी स्कूल के दिनों मे अपनी हैल्थ सुधार ली,
और लोगों को इनके अंदर एक महान एथलीट की छवि दिखाई देने
लगी।

पी टी उषा ने एथलीट के तौर पर अपने अन्तर्राष्ट्रीय करियर की शुरुवात
1980 में कराँची में हुए पाकिस्तान ओपन नेशनल मीट से की थी।
इस एथलीट मीट में पी टी उषा ने 4 गोल्ड मैडल भारत के नाम किये
थे। 16 साल की इस छोटी सी लड़की ने भारत का सर, दुश्मन माने जाने
वाले देश पाकिस्तान में बहुत ऊँचा कर दिया था। इसके बाद 1982 में पी
टी उषा ने 'वर्ल्ड जूनियर इन्विटेशन मीट में हिस्सा लिया, 200 मीटर
की रेस में इन्होंने गोल्ड मैडल एवं 100 मीटर की रेस में ब्रॉन्ज मैडल
जीता था।

- 1977 में कोट्टयम में राज्य बैठक में एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।
- 1980 में मास्को ओलंपिक में हिस्सा लिया।
- पहली महिला एथलीट बनी जो ओलंपिक के फाइनल तक पहुंची।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner